

आजाद सिपाही

रांची

14 सितंबर, 2024, शनिवार, वर्ष 09, अंक 325, भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, एकादशी, संवत् 2081, पृष्ठ : 14, मूल्य : ₹3.00

मुख्यमंत्री ने बोकारो में भाजपा पर जम कर साधा निशाना

विधायक-मंत्री को ये लोग ऐसे खरीदता है, जैसे सज्जी : हेमंत

- झारखण्ड मुख्यमंत्री मंडिया समान योजना के तहत दूसरी किस्त का किया हस्तांतरण
- बोकारो और रामगढ़ जिले को लगभग 753 करोड़ रुपये की 733 योजनाओं का दिया गया।



इस बार झारखण्ड में खड़ा नहीं हो पायेगा विपक्ष

हेमंत ने कहा कि पूरे देश की ताकत झारखण्ड में घुसने जा रही है। एक तरफ गरीब, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक लोग हैं और दूसरी तरफ पूर्जीपतियों की जमात उड़ने-उड़ने झारखण्ड आ रही है। आने वाले चुनाव में ये लोग गांधी-गांधी, पंचायत-पंचायत, धर-धर में पुर्सेण और लोगों को दिल्लिमत करेगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को बोकारो पर उड़ने झारखण्ड मुख्यमंत्री जिला अंतर्गत गोमिया प्रखण्ड के मंडिया सम्पान योजना के तहत 45 लाख से अधिक महिलाओं के खाता में दूसरी किस्त का हस्तांतरण किया। आपकी सरकार-आपके द्वारा हेमंत के फिर से हम आपके बीच हैं। इस मौके का विवरण किया।

(शेष पेज 05 पर)

हेमंत ने कहा

- ना जेल जाने से डरते हैं, ना गोलियों से, ये बिल्या मुझ की घटाई है, विजयी हाते रहेंगे
- बैद्यमानों ने मुझे कुत्ता-बिल्ली की तरह लुकाया दिया
- झूठ आरोप-प्रत्यारोप करके इन लोगों ने मुझे बहुत परेशान किया, जेल में डाल दिया

पाकुड़ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राज्य सरकार पर बरसे अब भी रिथित नहीं बदली तो संथाल में आदिवासी नहीं रह जायेंगे: मरांडी

पार्टी की जन आक्रोश ऐली में हुए शामिल

कर्तिक कुमार

पाकुड़ (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मंडी ने कहा कि जिस क्रकार से संथाल परगना से लेकर पूरे झारखण्ड में आदिवासियों की आबादी लगातार घट रही है, वह अलार्मिंग सिचुएशन है। हालत यह है कि संथाल में आदिवासियों की 44 से घट कर 28 फीसदी आबादी हो गयी है। अगर यही रफतर रही, तो एक दिन ऐसा भी आयेगा कि संथाल परगना में आदिवासी नहीं रह जायेंगे। हालत यह होती है कि यहां संथाली-पहाड़िया ही नहीं रह जायेंगे, जिसके नाम से यह संथाल परगना बनाया गया। बाबूलाल शुक्रवार को पाकुड़ में पार्टी द्वारा आयोजित जन आक्रोश रैली में बोल रहे थे।



हेमंत सरकार में गुंडों-बदमाशों की चलती है

बाबूलाल ने कहा कि पाकुड़ में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा आये तो उन्हें गोपीनाथपुर गांव इसलिए जाने नहीं दिया कि उन्हें सुरक्षा नहीं दे पायेंगे। इससे साफ समझ में आ रहा है कि यहां गुंडों-बदमाशों की वित्ती चलती है। उन्होंने कहा कि तारानगर गांव में हिंदू सरकार ने भी माना है कि

परिवार पर हमला हुआ और कई लोग गांव छोड़ कर भाग गये और आज तक वापस नहीं लौटे हैं। आज राज्य को हेमंत सरकार ने खुद अशांत कर रखा है और यदि कोई इस सरकार के विरुद्ध आवाज उठाता है, तो उस पर तर-तरह के केस दर्ज किये जा रहे हैं।

झामुमो-कांग्रेस के लोग परिवार और पैसे के लिए काम करते हैं

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य में आदिवासियों को लेकर लोग राजनीति करते हैं। झामुमो और कांग्रेस के लोग बस अनेक परिवार के लिए काम करते हैं। पैसे के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि याद करें, हमने कहा था कि हमारी सरकार बनानी, तो अलग राज्य दें।

1998-99 में देश में वाजपेयी जी के नेतृत्व में सरकार बनी, तो 15 नवंबर 2000 को अलग झारखण्ड राज्य बना। भाजपा जो कहती है, वह करती है। कांग्रेस ने वर्षों शासन किया, लेकिन अलग राज्य और आदिवासियों के हितों के लिए कुछ नहीं किया। दरअसल उनको यह के लोगों की तकलीफ से कोई मतलब नहीं है। वो सिर्फ बोट के लिए

संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी कम हुई है। क्षेत्र में आदिवासियों की 16 फीसदी आबादी कम हुई है। क्योंकि बंगाल और बांगलादेश से बड़ी तादाद में घुसपैठ हुई है। प्रदेश की गयी है।

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

हेमंत सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

हिन्दू दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार

संदेश

हिन्दी दिवस का यह दिन हमारे समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को याद करने और भाषायी विविधता की पहचान को मनाने का दिन है। हिन्दी भाषा हमारी पहचान, हमारी सोच और हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा है।

यह न केवल एक भाषा है, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति का भी एक महत्वपूर्ण ढंग है।

हिन्दी शास्त्रीय एकता का मजबूत आधार है। एक ओर यह देशज जन-भाषाओं और बोलियों से मिलकर संवरी है।

दूसरी ओर इसने असंख्य विदेशज शब्दों को आत्मसात किया है। यही हिन्दी की जीवनता, गतिमयता और दैर्घ्यजीविता का दर्शय है।

हिन्दी भाषा ने हमें एक जटिल किया है और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद का सेतु बनाया है।

इसका योगदान हमारी साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह हिन्दी की विविधता में एकता को प्रतिविवित करता है।

हिन्दी भाषा की एकता को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी मातृभाषा की रक्षा करें, सरकारी काम-काजों में अधिक से अधिक प्रयोग करें, इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग करें, और इसकी गिरिमा को बनाए रखें। खासकर हम अपने युवा वर्ग को हिन्दी भाषा के महत्व और उसके समृद्ध साहित्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास करें, ताकि यह भाषा भविष्य में भी उतनी ही प्रभावशाली और प्रासंगिक बनी रहे।

सभी राज्यासियों को हमारी ओर से हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं। आशा करते हैं कि हम सब मिलकर हिन्दी के प्रति अपनी जिजोदायियों को निभाएंगे और इसे हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएंगे।

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार

P.R. 335156 (PERSONNEL ADMINISTRATIVE REFORMS AND RAJ BHASA) 24-25

करम एवं करम पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार

'करम' प्रकृति की आराधना का पर्व है।

आज जब पर्यावरण असंतुलन के कारण मानवता संकट में पड़ती दिख रही है, ऐसे समय में 'करम' जैसे प्राकृतिक पर्वों की महत्वा बढ़ जाती है। हमारे पूर्वजों ने जब प्रकृति को परमेश्वर का प्रतिलिप नामकरण किया था। यह स्पष्ट समझ थी कि समस्त जीव-जगत एवं वनस्पति जगत के साथ सामंजस्य ही जीवमंडल में संतुलन दरख पायेगा। हमारे पूर्वजों ने सात्त्विक भावना से वृक्षों को ईश्वर माना और नदियों को माँ कह कर पुकारा, आज उनकी इन भावनाओं की पुनः प्रतिष्ठा का संकल्प लें।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

P.R. 335843 (IPRD) 24-25

धनबाद भाजपा में टिकट के दावेदारों के बीच घमासान

- चुनावी बरसात में उभरे दावेदारों की टर्ट-टर्ट से कार्यकर्ता और समर्थक नाराज
- सक्रिय कार्यकर्ताओं की अनदेखी हुई, तो भाजपा को हो सकती है परेशानी
- दावेदारों की लंबी फेहरिस्त, लेकिन कइयों की समाज और संगठन में भूमिका शून्य

झारखंड में विधानसभा के चुनाव अक्टूबर-नवंबर में संभवित हैं। इसे लेकर सभी पार्टियों ने अपनी ताकें झोक दी हैं। कांग्रेस की बात करें तो पार्टी की स्क्रीनिंग कर्मसुकी झारखंड पहुंच चुकी है। उसने रांची, पलामू, हजारीबाग और धनबाद में पार्टी तेजाओं के साथ संभावित प्रत्याशी को लेकर चुनाव शुरू कर दी है। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा ने तैयारी की तरफ देखा है। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा ने राज्य की 81 विधानसभा सीटोंमें से भाजपा की। इस दौरान कई जगहों पर भाजपा कार्यकर्ता आपास में भी छिड़ गये। पार्टी तेजों के अनुसार, इसी हफ्ते पार्टी की प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में राज्य में भाजपा का चुनावी अभियान तेज हो जायेगा। इन सबके बीच

समिति अपनी अनुशंसा के साथ लिस्ट केंद्रीय चुनाव समिति को अग्रसरित कर देगी। इस बीच 15 सितंबर को प्रधानमंत्री लर्डे मंदी का जमशेदपुर में कार्यक्रम होने वाला है। यहां वह करोड़ों की विकास और कल्याणकारी योजनाओं की सौगंध देगा। यहां के साथ चुनाव के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शह द्वारा खारखंड आये और पार्टी की ओर से राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करेगे। इन दोनों शीर्ष नेताओं के झारखंड दौरे के साथ ही उभरे तेज तेज हो जायेगा। इन सबके बीच



आसन हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले आसन हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान जमीन पर भी किया। पार्टी ने 30 से अधिक नये चेहरों को मैदान में उतारा है, वहीं 81 विधायकों के टिकट भी काटे हैं। इसके साथ नई पार्टी के चार विधायकों की सीटोंमें भी बदलाव किया गया है। कांग्रेस तेज है कि झारखंड में भाजपा और आरएसएस ने मिल कर सरकार बनाने के लिए जो कुछ वो कर सकते हैं, वो किया जायेगा। फलवर्षरूप, धनबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की चुनावी अभियान तेज हो जायेगा। इन सभी घटनाओं के बीच झारखंड पर भाजपा की ओर से राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करेगे। इन दोनों शीर्ष नेताओं के झारखंड दौरे के साथ ही उभरे तेज तेज हो जायेगा। इन सबके बीच

जोटिंग का आरोप लगाया, तो इसे लेकर भी कार्यकर्ताओं में आक्रोश दिखा।

भाजपा-आरएसएस मंथन से दिखेगा असर

लोकसभा चुनाव में भाजपा को आरएसएस की अनेकों कांग्रेसी का जब रायशुमारी सामना करना पड़ा, वहीं कुछ जातियों का साथ ना मिलने की वजह से भाजपा कार्यक्रम पहुंचे थे। एलबी सिंह के हथियारबंद के दौरान यादव पर असर पड़ा। इसी वजह से 2014 वर्षा 2019 में 11 लोकसभा सीट

में ऊहापोह की स्थिति है। भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं द्वारा शब्दों में ही सही, लेकिन कह रहे हैं कि सक्रिय कार्यकर्ताओं की अनदेखी हो रही है। देखा जाये, तो धनबाद भाजपा कलस्टर के सभी छह विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और समर्थकों का मानवा है कि धनबाद भाजपा में अब सक्रिय नेता

कार्यकर्ताओं की नहीं, अपितु चाटुकारा, बाहुबली तथा धनबाद के धनी की तृती बोलती है। फलस्वरूप संगठन में असंतोष, व्युत्कृता का भाव है। गुटबाजी, बयानबाजी, विरोधाभास खुल कर सामने आने लगे हैं। धनबाद भाजपा कलस्टर के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में से धनबाद विधानसभा क्षेत्र में भावी प्रत्याशी कोन हांगा, इसको लेकर सबसे अधिक भ्राताल देखा जा रहा है। वहां जो बृद्धवार को रायशुमारी हुई, उसमें गमीर आरोप सामने आ रहे हैं। यहां के कुछ द्वारा भाजपा के बीच मारमुखी में अपना नाम डलवाने के अचाल-खासा इंतजाम कर रिया था। धनबाद भाजपा कलस्टर में रायशुमारी में उपजे विवाद और टिकट के दावेदारों को लेकर ऊहापोह तथा घंटे पर रोशनी डाल रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संघादाता मनोज मिश्र।

के रिकमेंडेशन पर दिये जायेंगे। राकेश कुमार का नाम अचानक चर्चा में आ गया है। हालांकि, भाजपाइयों का कहना है कि राकेश कुमार के लिए तालमेल के साथ काम कर रहा है। बताया जा रहा है कि भाजपा और आरएसएस ने मिल कर जातीय समीकरणों का भी खास ख्याल रखा है।

संघ के साथ भाजपा का धनबाद सीट पर बनेगा तालमेल?

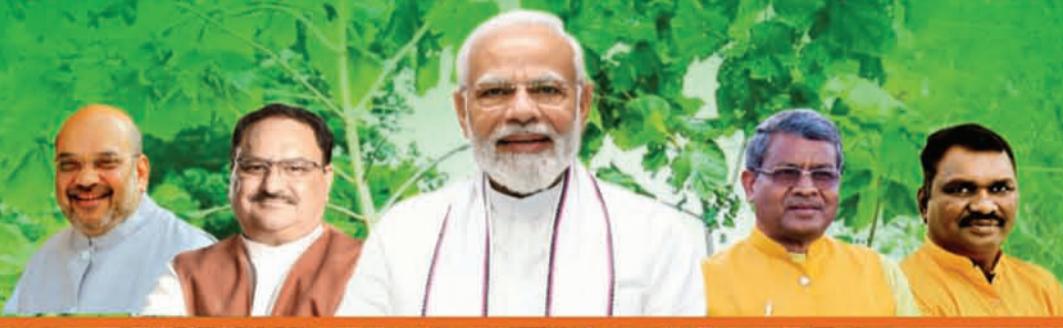
राजनीतिक मामलों के जानकार कहते हैं कि भाजपा और आरएसएस के बीच लोकसभा चुनाव के बाद हुई कोलांगिनेशन कमेटी की बैठक में ये बात समने आयी थी कि दोनों के बीच तालमेल की कमी रही है। उसके बाद हुई बैठकोंमें ये तय हो गया कि बताया जा रहा है कि टिकट काटा जाएगा। इरायाणा में भाजपा का जो टिकट रहा है, उसमें भी ये बात साफ हो गयी है। करीब सभी विधानसभा क्षेत्रों में आरएसएस के इनपुट के बिना टिकट वितरण नहीं हुआ है। उमीदवारों को तय करने में संघ आरएसएस के बीच लोकसभा चुनाव में उमीदवारों को तय करने में संघ का इनपुट रहे हैं। हालांकि एक मामलों में संघ और पार्टी के बीच टकराव की भी बातें सामने आयी हैं। ऐसे में धनबाद सीट को लेकर संघ और भाजपा को बीच लोकसभा चुनाव में आरएसएस के बीच लोकसभा चुनाव में उमीदवारों को तय करने तरफ लगाया था। ब्राह्मण, राजपूत और भूमिहार भी जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण के जातीय समीकरणों को इंजीनियरिंग महत्वपूर्ण हो गयी। भाजपा के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। इनकी विवाद की बातें सामने आयी हैं कि लोकसभा चुनाव में ये बात सामने आयी हैं कि कुर्मा, चित्रांश, राजपूत और किसान भाजपा के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण, राजपूत और भूमिहार भी जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। इनकी विवाद की बातें सामने आयी हैं कि लोकसभा चुनाव में ये बात सामने आयी हैं कि कुर्मा, चित्रांश, राजपूत और किसान भाजपा के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। इनकी विवाद की बातें सामने आयी हैं कि लोकसभा चुनाव में ये बात सामने आयी हैं कि कुर्मा, चित्रांश, राजपूत और किसान भाजपा के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। इनकी विवाद की बातें सामने आयी हैं कि लोकसभा चुनाव में ये बात सामने आयी हैं कि कुर्मा, चित्रांश, राजपूत और किसान भाजपा के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। इनकी विवाद की बातें सामने आयी हैं कि लोकसभा चुनाव में ये बात सामने आयी हैं कि कुर्मा, चित्रांश, राजपूत और किसान भाजपा के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। इनकी विवाद की बातें सामने आयी हैं कि लोकसभा चुनाव में ये बात सामने आयी हैं कि कुर्मा, चित्रांश, राजपूत और किसान भाजपा के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। इनकी विवाद की बातें सामने आयी हैं कि लोकसभा चुनाव में ये बात सामने आयी हैं कि कुर्मा, चित्रांश, राजपूत और किसान भाजपा के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। इनकी विवाद की बातें सामने आयी हैं कि लोकसभा चुनाव में ये बात सामने आयी हैं कि कुर्मा, चित्रांश, राजपूत और किसान भाजपा के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। इनकी विवाद की बातें सामने आयी हैं कि लोकसभा चुनाव में ये बात सामने आयी हैं कि कुर्मा, चित्रांश, राजपूत और किसान भाजपा के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। इनकी विवाद की बातें सामने आयी हैं कि लोकसभा चुनाव में ये बात सामने आयी हैं कि कुर्मा, चित्रांश, राजपूत और किसान भाजपा के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। ब्राह्मण के जातीय समीकरण को लेकर उड़ाने की जिमीनी की बातें सामने आयी हैं। इनकी विवाद की बातें सामने आयी हैं कि लोकसभा चुनाव में ये बात सामने आयी हैं कि कुर्मा

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची 14 सितंबर, 2024, शनिवार, वर्ष 09, अंक 325, भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, एकादशी, संवत् 2081, पृष्ठ : 14, मूल्य : ₹3.00

फरम पर्व
की बधाई



आप सभी को

प्राकृति - धर्म

कर्म पूजा

की हार्दिक

शुभकामनाएँ



सबका साथ
सबका विकास....



सन्नी टोप्पो युवा भाजपा नेता





आजाद सिपाही

रांची 14 सितंबर, 2024, शनिवार, वर्ष 09, अंक 325, भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, एकादशी, संवत् 2081, पृष्ठ : 14, मूल्य : ₹3.00

कर्म पर्व
की बधाई

पेज 01 का शेष
विधायक-मंत्री को
ये लोग ऐसे ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपका आशीर्वाद बना रहे हैं, तो ऐसे ही आने वाले समय में और कल्याण जनजाएंगे। हमारा ये लक्ष्य है कि आपके पांच साल में हम एक-एक लाख स्पष्ट आप तक पहुंचाएं। पहले विषय वाले लोग सब अपनी जेब में भर लेते थे। हम लोग अधिकार मांगते हैं, तो जेल भेज देता है। हम ना जेल से डरे हैं, ना गोलियों से डरे हैं। ये ज़ारखंड है भगवान बिरसा मुंडा की धरती है। सिदो-कान्ह की धरती है। आपका आशीर्वाद बना रहे हम लोग विजयी होते रहेंगे। ये लोग सरकार गिराने में लगा हुआ है। कभी विधायक खरीदता है, कभी मंत्री खरीदता है। विधायक-मंत्री को तो ऐसे खरीदता है, जैसे सब्जी खरीदता हो। इनके पास गरीबों को देने के लिए पैसा नहीं है। महिलाओं को लिए पैसा नहीं है। बड़े-बड़े व्यापारियों का कर्जा माफ करने का पैसा इनके पास है।

सरकार की उपलब्धियों को गिनाया: मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की पांच साल की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने 200 युनिट मुफ्त बिजलि, मईयां समान योजना, बालिकाओं की शिक्षा, गुरुजी क्रेडिट कार्ड, पेंशन योजना समेत अन्य योजनाओं का जिक्र किया। इस मौके पर बोकारो एवं रामगढ़ जिले को लगभग 753 करोड़ 44 लाख हजार रुपये की 733 योजनाओं का तोहफा दिया। इसमें 431 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। दोनों जिलों के हजारों लाखुओं के बीच लगभग 342 करोड़ 90 मिलियन रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण हुआ। इस मौके पर मंत्री सत्यनन्द भोक्ता, इक्फान अंसारी व मंत्री बेबी देवी, विधायक लंबोदर महतो और कुमार जयमंगल सिंह और राज्य पिछड़ा वर्ग आवोग के अध्यक्ष योगेंद्र महतो के अलावा अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

झारखंड में छह घंटे रहेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

15 सितंबर को जमशेदपुर में आये घंटे का रोड शो

वर्दे भारत ट्रेन और आवास योजना की पहली किस्त के द्वारा सीधा

आजाद सिपाही संवाददाता
जमशेदपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

15 सितंबर को झारखंड आयेंगे।

वह जमशेदपुर से चंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सीधात देंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभार्थियों को पहली किस्त देंगे। प्रधानमंत्री गोपाल मैदान में प्रदेश भाजपा की ओर से आयोजित सभा में भी शामिल होंगे। इस दैरान उनका रोड-शो भी होगा। प्रधानमंत्री झारखंड में लगभग छह घंटे रहेंगे।



सुबह 8:45 बजे प्रधानमंत्री पहुंचेंगे रांची

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री रविवार को सुबह 8:45 बजे बिरसा मुंडा एक्सप्रेस पहुंचेंगे। इसके बाद हनीकॉटर से जमशेदपुर के लिए रवाना होंगे। पिछे सालारी हवाई अड्डे से टाटानगर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। वहां पर वर्दे भारत ट्रेन को फौरी ढांडी दिखायेंगे। साथ ही 21 हजार

करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन करेंगे। जमशेदपुर में उनका आये घंटे का रोड-शो होगा। ये शो करते हुए प्रधानमंत्री गोपाल मैदान पहुंचेंगे। वहां पर कार्यक्रम के बाद हनीकॉटर से दोपहर 1:45 बजे रांची लौटेंगे। यहां से अहमदाबाद चले जायेंगे।

तेयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा

हीट टीम के अलावा 3000 से अधिक पुलिस अफसरों और जवानों की तैयारी की गयी है। इसके अलावा हर स्तर पर अलग-अलग टीमों को तैयार किया जायेगा। भाजपा के प्रदेश स्तर के नेता रोड-शो और सभा की तैयारी को लेकर जुटे हुए हैं।

177 दिन बाद जेल से बाहर आये केजरीवाल, कहा

मैं सही था इसलिए भगवान ने साथ दिया

सुप्रीम कोर्ट से मिली जगानंत

आजाद सिपाही संवाददाता



नाजुक दौर से गुजर रहा है हमारा देश: केजरीवाल

नवी दिल्ली (आजाद सिपाही)। जेल से निकल कर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शुक्रवार को जगानंत मिल गयी। केजरीवाल 177 दिन बाद जेल से बाहर आ गये। जेल से निकलने के बाद केजरीवाल ने कहा कि मैं सही था इसलिए भगवान ने मेरा साथ दिया। जेल से बाहर आकर मेरी ताकत 100 गुण बढ़ गयी। उधर, अदालत ने केजरीवाल को जिले के लिए वही शर्तें लगायी हैं, जो प्रवर्तन की नियमों का कोई उल्लंघन नहीं किया है। उन्हें जांच की जरूरत थी। इसलिए इस केस में गिरफतारी हुई। वहीं, जरिस उज्जवल भूमियां ने कहा कि सीबीआइ के गिरफतारी जवाब से ज्यादा सवाल खड़े करती है। जैसे ही इडी केस में उन्हें जगानंत मिलती है। सीबीआइ एक्टिव हो जाती है। ऐसे में गिरफतारी के समय पर सवाल खड़े होते हैं। सीबीआइ को निष्क्रिय दिखाना चाहिए और हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। ताकि गिरफतारी में बदमाजी न हो। जांच के सिलसिले में उसे दोबारा गिरफतार करना गलत नहीं है।

गौरतलब है कि केजरीवाल के खिलाफ इडी और सीबीआइ ने केस दर्ज किया है। इडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जगानंत मिली थी। इडी ने उन्हें 21 अप्रैल को गिरफतार किया था। बाद में 26 जून को सीबीआइ ने उन्हें जेल से हिरासत में लिया था। दो जोनों की बीच जगानंत पर एकमत, लेकिन गिरफतारी पर अलग राय है। जरिस गुरुवार को जगानंत ने कहा कि अपर कोई व्यक्ति वहां से हिरासत में है। जांच के सिलसिले में उसे दोबारा गिरफतार करना गलत नहीं है।

गौरतलब है कि केजरीवाल के खिलाफ इडी और सीबीआइ ने केस दर्ज किया है। इडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जगानंत मिली थी। इडी ने उन्हें 21 अप्रैल को गिरफतार किया था। बाद में 26 जून को सीबीआइ ने उन्हें जेल से हिरासत में लिया था। दो जोनों की बीच जगानंत पर एकमत, लेकिन गिरफतारी पर अलग राय है। जरिस गुरुवार को जगानंत ने कहा कि अपर कोई व्यक्ति वहां से हिरासत में है। जांच के सिलसिले में उसे दोबारा गि�रफतार करना गलत नहीं है।

गौरतलब है कि केजरीवाल के खिलाफ इडी और सीबीआइ ने केस दर्ज किया है। इडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जगानंत मिली थी। इडी ने उन्हें 21 अप्रैल को गिरफतार किया था। बाद में 26 जून को सीबीआइ ने उन्हें जेल से हिरासत में लिया था। दो जोनों की बीच जगानंत पर एकमत, लेकिन गिरफतारी पर अलग राय है। जरिस गुरुवार को जगानंत ने कहा कि अपर कोई व्यक्ति वहां से हिरासत में है। जांच के सिलसिले में उसे दोबारा गि�रफतार करना गलत नहीं है।

गौरतलब है कि केजरीवाल के खिलाफ इडी और सीबीआइ ने केस दर्ज किया है। इडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जगानंत मिली थी। इडी ने उन्हें 21 अप्रैल को गिरफतार किया था। बाद में 26 जून को सीबीआइ ने उन्हें जेल से हिरासत में लिया था। दो जोनों की बीच जगानंत पर एकमत, लेकिन गिरफतारी पर अलग राय है। जरिस गुरुवार को जगानंत ने कहा कि अपर कोई व्यक्ति वहां से हिरासत में है। जांच के सिलसिले में उसे दोबारा गि�रफतार करना गलत नहीं है।

गौरतलब है कि केजरीवाल के खिलाफ इडी और सीबीआइ ने केस दर्ज किया है। इडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जगानंत मिली थी। इडी ने उन्हें 21 अप्रैल को गिरफतार किया था। बाद में 26 जून को सीबीआइ ने उन्हें जेल से हिरासत में लिया था। दो जोनों की बीच जगानंत पर एकमत, लेकिन गिरफतारी पर अलग राय है। जरिस गुरुवार को जगानंत ने कहा कि अपर कोई व्यक्ति वहां से हिरासत में है। जांच के सिलसिले में उसे दोबारा गि�रफतार करना गलत नहीं है।

गौरतलब है कि केजरीवाल के खिलाफ इडी और सीबीआइ ने केस दर्ज किया है। इडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जगानंत मिली थी। इडी ने उन्हें 21 अप्रैल को गिरफतार किया था। बाद में 26 जून को सीबीआइ ने उन्हें जेल से हिरासत में लिया था। दो जोनों की बीच जगानंत पर एकमत, लेकिन गिरफतारी पर अलग राय है। जरिस गुरुवार को जगानंत ने कहा कि अपर कोई व्यक्ति वहां से हिरासत में है। जांच के सिलसिले में उसे दोबारा गिरफतार करना गलत नहीं है।

गौरतलब है कि केजरीवाल के खिलाफ इडी और सीबीआइ ने केस दर्ज किया है। इडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जगानंत मिली थी। इडी ने उन्हें 21 अप्रैल को गिरफतार किया था। बाद में 26 जून को सीबीआइ ने उन्हें जेल से हिरासत में लिया था। दो जोनों की बीच जगानंत पर एकमत, लेकिन गिरफतारी पर अलग राय है। जरिस गुरुवार को जगानंत ने कहा कि अपर कोई व्यक्ति वहां से हिरासत में है। जांच के सिलसिले में उसे दोबारा गिरफतार करना गलत नहीं है।

गौरतलब है कि केजरीवाल के खिलाफ इडी और सीबीआइ ने केस दर्ज किया है। इडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जगानंत मिली थी। इडी ने उन्हें 21 अप्रैल को गिरफतार किया था। बाद में 26 जून को सीबीआइ ने उन्हें जेल से हिरासत में लिया था। दो जोनों की बीच जगानंत पर एकमत, लेकिन गिरफतारी पर अलग राय है। जरिस गुरुवार को जगानंत ने कह

देश-विदेश / ओडिशा

पीएम मोदी 17 को ओडिशा में

आजाद सिपाही संवाददाता



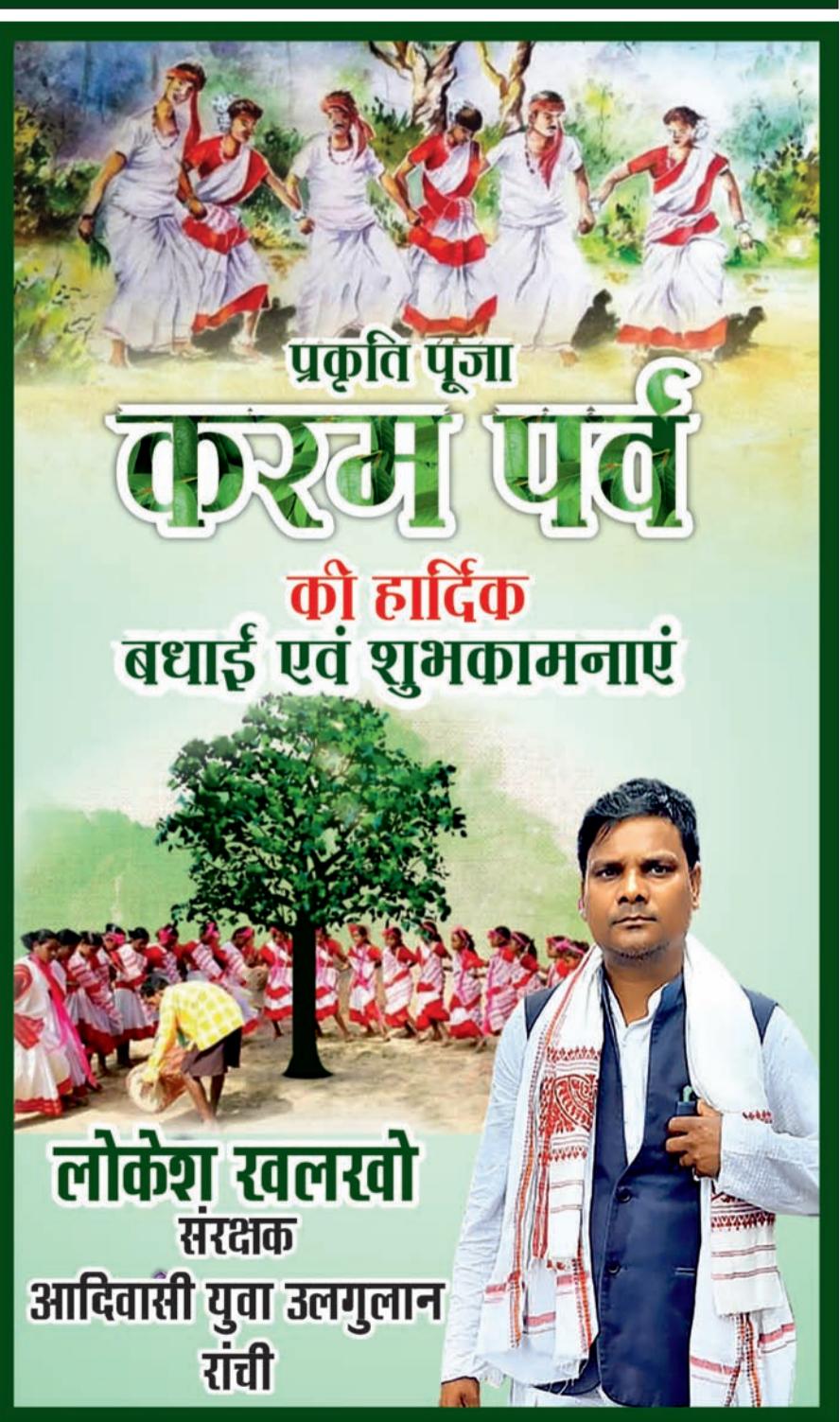
भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगामी 17 सितंबर के ओडिशा दौरे को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़े इंतजाम किये हैं। पुलिस आयुक्त सजीव पंडा ने यह जानकारी दी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किया जा रहा है। एवरपोर्ट से जनता मैदान तक रोड पर बैरिंडिंग रहेगी एवं इसके अलावा ब्लू बुक

के मुताबिक सुरक्षा उपायों के साथ यातायात प्रतिवध भी लागू किये जायेंगे। सारे पोलाक में पुलिस भी तैनात रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



आप सभी झारखण्डवासियों

को
कर्म
पर्व की हार्दिक
बधाई एवं
शुभकान्नाए

**संजय कुमार महतो**जिलाध्यक्ष, रांची महानगर रांची
जेबीकेएसएस / जेकेएलएम

लोकेश खलखो
संरक्षक
आदिवासी युवा उलगुलान
रांची

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोर चैक, ओल्ड एचबी गेड, रांची 834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंटिंग

संपादक : हरिनारायण सिंह, स्थानीय संपादक* : विनोद कुमार, ***पीओआरबी एन्टर के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, राज्य समन्वय संपादक : अञ्जन शर्मा। समस्त दिवारी विवादों, न्यायेचित्कार विवादों एवं दीर्घ परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची यायालय में रहें। फोन : 9264434560, R.N.I. No.-JHAIN/2015/65109, Postal Registration No. RN/249/2019-21

समम में राष्ट्रीय मेडिकल अभिलेख दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता



भुवनेश्वर। मेडिकल अभिलेखों बनाये रखने के महत्व को उत्तम प्रधानमंत्री के लिए मंगलवार के यहां कुछ अन्य परियोजनाओं का भी शिलान्यास करने कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री 17 तारीख सुबह 11:35 बजे भुवनेश्वर हवाईअड्डे पर पहुंचे। वहां से वह सीधे जनता मैदान जायेंगे और 12 से एक बजे तक एक घंटे के लिए वह जनता मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

आयोजित विषय 'स्टीक अभिलेखों के मायम से स्वास्थ्य को सशक्त बनाना' पर ध्यान केंद्रित करते हुए अस्पताल के कर्मचारियों के लिए एक सूचनात्मक सत्र आयोजित किया गया था। विभाग ने सटीक अभिलेखों के संग्रह, रखरखाव

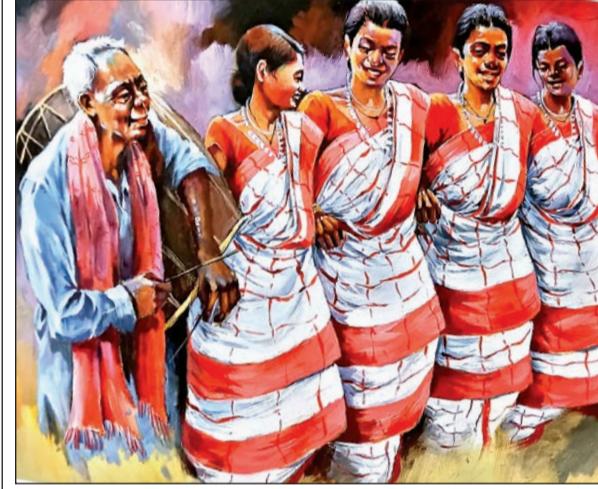
और रखने पर प्रकाश डालने के लिए प्रस्तुतियां भी दीं।

कार्यक्रम का उद्घाटन समम

मोहन मिश्र, चिकित्सा अधीक्षक डॉ प्राप्त कुमार पामदा, चिकित्सा अधिकारी विभाग के प्रमुख डॉ मानस रंजन सेठी, डॉक्टर, नर्स और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

डॉ सेठी ने मेडिकल रिकॉर्ड रखने के कानूनी पहलुओं के बारे में बात की, ब्रिगेडियर (डॉ) मिश्र ने 'चिकित्सा अभिलेखों के डिजिटलीकरण' पर ध्यान केंद्रित किया। रितिकांत बारिक ने मेडिकल रिकॉर्ड के दस्तावेजीकरण की दिन-प्रतिदिन की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।

भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक करम परब प्राकृतिक और जीवन दर्शन की सहभगिता है



देवेंद्र नाथ महतो
करम परब यानी
प्राकृतिक परब
हायारी संस्कृति
की महत्वपूर्ण
और अनमोल
धरोहर है। वह प्राकृतिक के साथ साथ सामाजिक एकता, सहभागिता, सामूहिकता और भाईचारे का भी परिचायक है। करम परब प्रकृति को संरक्षित और समृद्ध करने के साथ साथ जीवन को गति देने वाला त्योहार है। प्रकृति के प्रति लोगों का यही प्रेम, समान और समर्पण वहां चरने को नुस्खा और बोलने को संगीत बना देता है। वहां अपने भाई के लिए करम एकादश करती है, ताकि भाई-बहन का प्रेम बना रहे, करम एकादश के दिन बहने भाई का लंबी उम्र का कामना करता है, भाई सुरु होने ही करम परब का तैयारियां सुरु कर दिया जाता है, खेतों में काम समाप्त होने के बाद वहां उत्साहित होकर ब्रत करती है कि अब अनाज की कोई कमी नहीं होगी।

भाई मास शुक्ल पक्ष के एकादशी के नौ दिन पूर्व स्थानीय नवी, नाला, तालाब, जायिया आदि जलाशय से नव डाली में साफ बालू उठाकर उसमें धान, चना, जौ, कुरुथी, मकई, मूँग, उरद सहित नौ प्रकार के कृषि उत्पादित बीजों को बोकर जावा उठाती है, जिसे बाली उठा कहा जाता है। जावा उठाकर घर के अंदर साफ एवं स्वच्छ जगह पर अनुष्ठित करने वाली बालाओं को जावा की स्वच्छाका लिए कठोर नियम का पालन करना पड़ा है। स्वयं के खन - पान, रहन - सहन पर विशेष ध्यान रखती है, जावा डाली पर बोये गये बीजों को अंकुरित करने के लिए प्रकृति की शुद्धि जीवावरण के साथ आवश्यकता के अनुरूप धूप दिखाना, जल्दी पानी परदाना आदि इन युवतियों के जिम्मे होती है। बाद में जब अंकुरित होता है, जिसे जावा कहते हैं। जावा के अंकुरण को सृजन का प्रतीक माना जाता है।

भाई एकादश के दिन गांव के पालन करम के प्रतीक करम डाली को अखरा के मध्य लगाता है। वहीं करमइतियां भाई-बहन अखरा को सजाते हैं। युवतियां भाई दस्ती को संजोत कर दूरे दिन एकादश के निजला वापस रहने करम डाली के समक्ष जावा की आराधना करते हैं। इसके बाद रात भर डाली को जगाया जाता है। दूसरे दिन डाली जावा का विसर्जन किया जाता है, विसर्जन के पश्चात परना कर अन्न ग्रहण करती है। करम परब का वैज्ञानिक पहलुओं को इन रसों के द्वारा समझते हैं :-

इस तरह 9 दिन तक लगातार जावा जगाने की प्रोसेस की जाती है, जो आगे युवतियों को भी अपने जीवन में नये जीव का जन्म देना होगा और उनकी देखभाल और पालन पोषण करना होगा बड़ा करना होगा, इसलिए उन्हें संकृति रूपे प्रशिक्षण दिया जाता है।

भाई-बहन के अदूर प्रेम के प्रतीक प्रकृति पर्व करम पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकान्नाए

देवेंद्रनाथ महतो
केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष
ने.बी.के.एस.एस

प्रकृति पूजा करम पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकान्नाए

बबलू मुंडा अध्यक्ष केन्द्रीय सरना समिति रांची, झारखण्ड